सवाई माधोपुर सीमेंट कारखाना

514. **डा० अबरार अहमद :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सवाई माधोपुर सीमेंट कारखाने (जयपुर उद्योग) का मामला औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड को कब भेजा गया था;

(ख) इस संबंध में अन्तिम निर्णय कब लिया गया था तथा तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस कारखाने को पुन: प्रारम्भ किये जाने की कोई संभावना है; यदि नहीं तो मजदूरों को पिछले चार वर्षों का बकाया वेतन किस प्रकार दिया जाएगा और कब दिया जायेगा;

(घ) क्या किसी उद्योग के बन्द होने के मामले में अथवा उसमें उत्पादन बन्द हो जाने के मामले में औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड मजदूरों को देय बकाया वेतन का भुगतान करने के प्रश्न पर भी विचार करता है, यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार सवाई माधोपुर में कोई उद्योग लगाने का विचार रखती है ताकि लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०जे० कुरियन): (क) से (घ) सवाई माधोपुर सीमेंट कारखाने का मामला 1987 में बी०आई०एफ०आर० में भेजा गया था । बी.आई.एफ.आर. अपने तारीख 30 जनवरी, 1989 के आदेश में प्रथम-दृष्टि में इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि मै० जयपुर उद्योग लि० को रुग्ण औद्योगिक कम्पनी (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1985 के अधीन जीव्य नहीं बनाया जा सकता और यह उपर्युक्त व न्यायोचित होगा कि इसे परिसमाप्त कर दिया जाए । एक प्रवर्तक द्वारा अपील प्राधिकरण, बी.आई.एफ.आर. में इस आदेश को चुनौती दी गई थी । इस बीच राजस्थान सरकार ने एक निजी कंपनी अर्थात् मै० गनोन हंकरली एंड कंपनी लि० को प्रतिष्ठित करके एकक के पुनरुज्जीवन के लिए बी.आई.एफ.आर. को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया था । बी.आई.एफ.आर. ने मामले पर विचार किया और भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक (आई.आर.बी.आई.) को एक पुन:स्थापना पैकेज तैयार करने का निदेश दिया । आई.आर.बी.आई. ने अब अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है । पिछली सुनवाई 6-1-92 को हुई थी ।

पुनरुज्जीवन/पुन:स्थापना संबंधी प्रस्ताव में अन्य बातों के साथ साथ कामगारों को वेतन की बकाया राशि का भुगतान शामिल है ।

(ङ) सरकार का सवाई माधोपुर में कोई उद्योग स्थापित करने का प्रस्ताव नहीं है । तथापि, नयी औद्योगिक नीति के तहत भावी उद्यमी स्थापना-स्थल व पर्यावरण संबंधी शर्तों को पूरा करके कोई भी उद्योग (अनिवार्य लाइसेंसीकरण के लिए आरक्षित मदों को छोड़कर) लगाने के लिए स्वतंत्र हैं ।

उद्योगों का कार्यकरण

515. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उद्योग मंत्रालय द्वारा हाल ही में लगभग 155 उद्योगों के कार्यकरण के संबंध में एक अध्ययन किया गया था;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि उक्त अध्ययन के अनुसार यह तथ्य प्रकाश में आया है कि 1 अप्रैल से 13 दिसम्बर, 1991 की अवधि के दौरान इन उद्योगों की विकास दर ऋणात्मक थी ;

(ग) यदि हां, तो उर्वरक, सीमेंट, आधारिक धातुओं और उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन में लगे उद्योगों की उत्पादन